



झारखण्ड गजट

असाधारण अंक

झारखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

5 भाद्र, 1941 (श०)

संख्या- 687 राँची, मंगलवार, 27 अगस्त, 2019 (ई०)

उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग

अधिसूचना

14 अगस्त, 2019

विधि एवं न्याय मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा The Industries (Development and Regulation) Act, 1951 में संशोधन करते हुए The Industries (Development and Regulation) Amendment Act, 2016 के द्वारा धारा- 29D के पश्चात् एक नई धारा - 29E अंतः स्थापित किया गया है, जो भारत का राजपत्र के असाधारण अंक संख्या 31 के रूप में दिनांक 14.05.2016 को प्रकाशित है।

2. संशोधित The Industries (Development and Regulation) Act, 2016 के अनुसार राज्य सरकार के क्षेत्राधीन केवल मानव उपभोग योग्य शराब पर नियंत्रण तथा कर शुल्क अधिरोपण एवं कानून बनाने की शक्ति निहित है। इसके अतिरिक्त औद्योगिक अल्कोहल तथा विकृत इथनाॅल, जो मानव उपभोग के लिए नहीं है, के संबंध में कानून बनाने और नियंत्रित करने की शक्ति केन्द्र सरकार में निहित है।

3. पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय, भारत सरकार के पत्रांक P-13032(17)24/2017-CC-Part-1(P-26739) दिनांक 02.01.2019 के द्वारा IDR Act, 1951 के संशोधित प्रावधान का अनुपालन करने का अनुरोध किया गया है।

4. विकृत Ethanol, Intoxicant नहीं है, क्योंकि यह मानव उपभोग योग्य नहीं है। अतः यदि कोई आसवनी केवल विकृत ईथेनाॅल का उत्पादन करती है, तो उसे झारखंड सरकार के उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग से इस प्रकार की आसवनी की स्थापना, उत्पादित विकृत सुषव के संचयन एवं इसकी बिक्री पेट्रोलियम कम्पनियों को करने के लिए अनुज्ञप्ति एवं परमिट की बाध्यता नहीं रहेगी। वैसी आसवनी, जिसमें ईथेनाॅल (मानव उपयोग योग्य) एवं विकृत ईथेनाॅल दोनों का उत्पादन किया जाना है, तो वैसे आसवनियों को ईथेनाॅल (मानव उपयोग योग्य) के उत्पादन, संचय एवं बिक्री के लिए झारखंड उत्पाद अधिनियम, 1915 के तहत अनुज्ञप्ति आवश्यकता होगी।

5. झारखंड उत्पाद अधिनियम, 1915 की धारा 12 के अधीन किसी प्रकार के Intoxicant के आयात, निर्यात एवं परिवहन के लिए पास/परमिट निर्गत करने की शक्ति समाह्वता को प्रदत्त है। विकृत Ethanol, जो मानव उपभोग योग्य नहीं है एवं जिसे पेट्रोल में मिलाया जाता है, के आयात, निर्यात एवं परिवहन के लिए झारखंड उत्पाद अधिनियम, 1915 की धारा 12 के तहत पास/परमिट निर्गत किया जाना The Industries (Development and Regulation) Amendment Act, 2016 के संगत नहीं है। तदनुसार भविष्य में Denatured Ethanol के आयात, निर्यात एवं परिवहन हेतु पास/परमिट की आवश्यकता नहीं होगी।

6. अतः The Industries (Development and Regulation) Amendment Act, 2016 में वर्णित प्रावधान पर सहमत होते हुए झारखंड उत्पाद अधिनियम की धारा 89 के तहत राज्य सरकार द्वारा निर्णय लिया जाता है कि Industrial Alcohol (Ethanol) के उत्पादन हेतु आसवनियों को उत्पाद अनुज्ञप्ति तथा उत्पादित औद्योगिक अल्कोहल (Ethanol) के आयात, निर्यात तथा परिवहन के लिए किसी तरह का पास अथवा परमिट की आवश्यकता नहीं होगी। आसवनी के प्रभारी पदाधिकारी एवं आसवनपति के द्वारा यह सुनिश्चित किया जायेगा कि आसवनी से निकलने वाले औद्योगिक अल्कोहल (Ethanol) का आयात, निर्यात एवं परिवहन GPS एवं Digital Lock से युक्त टैंकर से हो, ताकि इसके दुरुपयोग की संभावना नहीं रहे।

झारखंड राज्यपाल के आदेश से,

राहुल शर्मा,
सरकार के सचिव।
